No. of Printed Pages : 6

BHMCT-108

B. A. (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC

(HONS.) (BAPFHMH)

Term-End Examination

June, 2024

BHMCT-108 : Study of Treatises, Gharanas and Elementary Karnataka Music

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any* ***ten*** *questions of the followings. Each question carries 10 marks.*

1. Write in detail about the music in ancient South India with reference to the ancient Tamil Literature.

2. Elaborate on the evolution of Karnataka Music in Medieval India.

3. Describe the 6 limbs of the Tala in Karnataka Music system.

4. Give a brief account of the contributions of the following four theorists in the development of Karnataka Music :

   (a) Pt. Ramamatya

   (b) Venkatamanhin

   (c) Shri Vidyaranya

   (d) Subburama Dikshitar

5. Write briefly about the contributions of the following vaggeyakaras in the field of Karnataka Music :

   (a) Purandar Dasa

   (b) Thyagaraja

   (c) Shyama Shastri

   (d) Swati Thirunal

6. Write in detail about the efforts done by Vidushi Sumati Mutatkar in the field of Hindustani Music.

7. Elaborate how Pt. Ravi Shankar was instrumental in propagation of Indian Classical Music in foreign countries.

8. Give an outline description of the books written on music by Pt. V. N. Bhatkhande.

9. Write a brief essay on Ustad Abdul Kareem Khan and his style of music.

10. Discuss briefly about the medieval treatise 'Rag Vibodh'.

11. Discuss in detail about the differences in Karnataka and Hindustani Music.

12. Write an elaborate note on the 'Rampur Sahaswan' Gharana.

BHMCT–108

बी. ए. (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत

(ऑनर्स) (बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एच.एम.सी.टी.-108 : ग्रन्थों, घरानों तथा प्राथमिक कर्नाटक संगीत का अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट** : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. प्राचीन तमिल साहित्य में प्राप्त जानकारियों के आधार पर प्राचीन तमिल संगीत के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताइए।

2. मध्यकालीन भारत में कर्नाटक संगीत के विकास का वर्णन कीजिए।

3. कर्नाटक संगीत पद्धति के अन्तर्गत ताल के छः अंगों का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित शास्त्रकारों का कर्नाटक संगीत में योगदानों का विवरण दीजिए :

   (अ) पं. रामामात्य

   (ब) वेंकटमखी

   (स) श्री विद्यारण्य

   (द) सुब्बुरामा दीक्षितर

5. निम्नलिखित वाग्गेयकारों के कर्नाटक संगीत में योगदानों के बारे में संक्षिप्त रूप से बताइए :

   (अ) पुरंदर दास

   (ब) त्यागराजा

   (स) श्यामा शास्त्री

   (द) स्वाति तिरुणाल

6. विदुषी सुमति मुटाटकर द्वारा भारतीय संगीत के क्षेत्र में किये गये प्रयासों के बारे में विस्तार से लिखिए।
7. पं. रविशंकर किस प्रकार विदेशों में भारतोय संगीत के प्रसार में सहायक बने विस्तार से बताइए।
8. पं. भातखण्डे द्वारा लिखित पुस्तकों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
9. उस्ताद अब्दुल करीम खाँ और उनकी गायक शैली पर एक निबन्ध लिखिए।
10. मध्यकालीन ग्रन्थ 'राग विबोध' के बारे में विस्तार से चर्चा कीजिए।
11. कर्नाटक और हिन्दुस्तानी संगीत के विभेदों के सम्बन्ध में चर्चा कीजिए।
12. 'रामपुर-सहस्वान' घराने के बारे में विस्तृत जानकारी दीजिए।